जीवन वृत

नाम	:	त्रिवेन्द्र सिंह रावत
पिता का नाम	:	स्व. श्री प्रताप सिंह रावत
माता का नाम	:	स्व. श्रीमती बोद्धा देवी
जन्म तिथि	:	20.12.1960
जन्म स्थान	:	ग्राम–खैरासैण, पट्टी–मल्ला बदलपुर, निकट–सतपुली, पौड़ी गढ़वाल
पारिवारिक जीवन	:	पत्नी–श्रीमती सुनीता रावत षिक्षिका (सरकारी सेवा) पुत्रिया–दो,1. कु0 कृति रावत– फेषन डिजाईनिंग कोर्स अध्ययनरत् 2. कु0 श्रृजा रावत– विधिक षिक्षा अध्ययनरत्
वर्तमान पता	:	सी–130,सेक्टर–3,डिफेन्स कालोनी, देहरादून।
षिक्षा	:	पत्रकारिता से स्नातकोत्तर उपाधि।
पार्टी से जुड़ाव	:	1979 में राश्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयंसेवक बने,

– 1981 में संघ के प्रचारक के रुप कार्य करने का संकल्प लिया।

– 1985 में देहरादून महानगर के प्रचारक बने।

– 1993 में भारतीय जनता पार्टी के संगठन मंत्री बने।

– वर्श 1997 से 2002 तक आप प्रदेष के संगठन मंत्री बने तथा इस दौरान सम्पन्न सभी विधानसभा, लोकसभा एवं विधान परिशद चुनाव में भाजपा को अभूतपूर्व सफलता मिली।

– पृथक उत्तराखण्ड राज्य निर्माण हेतु चले आन्दोलन की रुप–रेखा निर्माण में आप एक प्रमुख स्तम्भ रहे। बाद में इस आन्दोलन में सक्रिय रुप से भाग लेकर अनेकों बार आपको जेल भी जाना पड़ा।

– उत्तराखण्ड राज्य में बेरोजगार युवक युवतियों को षिक्षा बन्धु, षिक्षा मित्र योजना के अन्तर्गत नियुक्तिप्रदान करवाने तथा षिक्षकों को पंचम वेतनमानआयोग की सिफारिषे लागू करवाने में आपका विषेश योगदान रहा।वर्श 2002 में प्रथम बार क्षेत्र डोईवाला से विधायक के रुप में क्षेत्र में अनेकों विकास कार्य किये। आप द्वारा एमडीडीए की प्रचलित विकास षुल्क को प्लाट एरिया के बजाय निर्मित एरिया का निर्धारण करवाकर क्रान्तिकारी कदम उठवाया।

– वन ट्रस्ट मेडिकल कालेज हल्द्वानी में षिक्षण षुल्क 1.50 लाख के स्थान पर 25 हजार उच्च न्यायालय से निर्धारित करवाया तथा 70 प्रतिषत सीटें उत्तराखण्ड वासियों हेतु आरक्षित करवायी।

– डायमन्ड एवं जेम्स घोटाले को मा. उच्च न्यायालय में चुनौती दी।

– फर्जी डोमिसाईल बनाकर बाह्य प्रदेषो के छात्र उत्तर प्रदेष के मेडिकल कालेजों में उत्तराखण्ड कोटे की सीटों पर प्रवेष पा रहे थे, उनकी जांच करवायी, दो छात्र जो फर्जी डोमिसाईल बनवाकर किंग जार्ज मेडिकल कालेज लखनऊ तथा मोतीलाल नेहरु कालेज में पढ़ रहे थे, उन्हें फर्जी डोमिसाईल के आरोप में बाहर करवाया तथा विगत वर्श भी उत्तराखण्ड मेडिकल प्रवेष परीक्षा में फर्जी प्रवेषार्थियों को पकड़वाया, जो उत्तराखण्ड का फर्जी डोमिसाईल बनाकर प्रवेष परीक्षा में बैठे थे।

– विधायक निधि से विद्युत, सड़क, चिकित्सा पेयजल आदि अनेकों कार्य सम्पादित करवाये, जिसकी सूची काफी लम्बी है एवं असहाय लोगों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी।

– उत्तराखण्ड में गाय एवं गाय के गौ–वंष संरक्षण हेतु उत्तराखण्ड में पहली बार उत्तराखण्ड गौ–वंष संरक्षण अधिनियम वर्श 2007 लागू कर गौवंष की रक्षा का संकल्प ।

– उत्तराखण्ड में पहली बार गौ– विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान केन्द्र की संकल्पना।

– 10 लाख से अधिक किसानो का लगभग 12.26 करोड़ रुपये की बिजली बिल पर सर चार्ज माफ।

प्रथम बार प्रदेष की 670 न्याय पंचायतों पर कृषि महोत्सवों का आयोजन कर कृशकों को न्याय पंचायत स्तर पर कृषि निवेष/कृशकों की समस्याओं के निराकरण हेतु कृशि वैज्ञानिकों से न्याय पंचायत स्तर पर कृशकों की समस्याओं का समाधान कराया। कृशक महोत्सव में गोश्ठियों के माध्यम से लगभग 75000 किसानो को लाभ 45000 किसानो को विभिन्न कृशि निवेष उपलब्ध कराये गये।

- पषु प्रजनन परिक्षेत्र कालसी (देहरादून) में गौ नस्ल सुधार के लिए भ्रूण प्रत्यारोपण केन्द्र विकसित करवाया गया।
- उत्तराखण्ड देष का पहला गौ–मूत्र अर्क विक्रय करने वाला राज्य बना।
- **प्रदेष की कृशि भूमि की सुरक्षा व भविश्य में खादयान की सुरक्षा के लिए " [ै(चमबपंस ।हतपबनसजनतंस ´वदम) विषेश क्षेत्र की परिकल्पना कृशि क्षेत्र का प्रारम्भ जनपद देहरूदन के विकासखण्ड रायपुर एवं जनपद नैनीताल के कोटाबाग में प्रारम्भ करवाया गया।**
- पर्वतीय क्षेत्र में कृशि को लाभकारी बनाने हेतु स्वेच्छिक चैकबन्दी लागू किया।
- प्रत्येक माह में कृशक दिवस एवं दुग्ध दिवसों का आयोजन।
- योग हर्ट (फल मिश्रित दही) का प्रारम्भ करने वाला देष का प्रथम राज्य।
- चैडर चीज उत्पादन करने वाला देष का पहला दूसरा राज्य।
- राज्य में पहली बार चारा बैंक की स्थापना हेतु 6.31 करोड़ की लागत से प्रतिदिन 60 मैट्रिक टन कम्पैक्ट फीड ब्लाक बनाने वाले 2 संय़त्र प्रथम कालसी जनपद देहरादून में एवं दूसरा रूद्रपुर जनपद उधम सिंह नगर में स्थापित।
- विधायक निधि से दून चिकित्सालय में वेंटीलेटर एवं फीको मषीन उपलब्ध करायी।
- विकासखण्ड डोईवाला में किसानो की खेती को हाथी बंदरों से बचाने के लिये पहली बार इलेक्ट्रिक फेन्सिंग लगायी गयी।
- निर्धन एवं जरूरत लोगों के हितार्थ 170 निःषुल्क चिकित्सा षिविर लगाये गये।
- एम.डी.डी.ए. से त्रस्त नथुवावाला, बालावाला, रायपुर, नत्थनपुर, नकरौंदा, नवादा आदि ग्रामीण क्षेत्रों के 4000 भवनों को घ्वस्तीकरण से बचाया तथा 6 गांवों को अधिक्रहण से बचाया।
- पषु चिकित्सालय रायपुर में गौवंष की सेवा हेतु पषु ऐम्बुलेन्स (**स्थ्ज ट।छ**) सेवा प्रदान की।
- खेलों को प्रोत्साहन देने के लिऐ स्व0 वीर सिंह ठाकुर स्मृति टूर्नामेन्ट का आयोजन करवाया गया।

– गन्ना किसानों के गन्ना मुल्य के भुगतान के लिये डोईवाला में धरना प्रर्दषन कर, व किसानो का तत्काल भुगतान कराया गया।

क्षेत्रीय जनता का स्नेह आपको सदैव मिलता रहा, जहॉ वर्श 2002 के चुनाव में आप 1575 मतों से जीते थे, वहीं वर्श 2007 के चुनाव में विगत जीत से दस गुना बढ़ोतरी करते हुए 14127 मतों से रिकार्ड प्राप्त कर प्रदेष में तीसरी बड़ी विजय प्राप्त की तथा क्षेत्रीय जनता के आर्षीवाद से आप कैबिनेट मंत्री के रुप में कृशि, कृशि षिक्षा, कृशि विपणन, लघु सिंचाई, पषुपालन, दुग्ध, मत्स्य एवं भाशा जैसे महत्वपूर्ण विभागों के दायित्वों का सफल निवर्हन कर रहे है।

– क्षेत्रीय जनता से सुगम सम्पर्क हेतु मंत्री पद पर रहते हुए प्रोटोकाल में मिलने वाली निर्धारित सुरक्षा व्यवस्था लेने से इनकार किया।

आप एक मृदुभाशी, समाजसेवी तथा बहुमुखी प्रतिभा से पूर्ण व्यक्तित्व के धनी है। आपने अपने जीवन में कभी भी धुम्रपान, नषा आदि का उपयोग नही किया । आपका सदैव एक ही लक्ष्य है कि प्रदेष विकास की ओर अग्रसर हो।

– कार्यक्षमताओं का आंकलन करते हुये माननीय रमेष पोखरियाल “निषंक” मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड के मंत्रिमण्डल में दोबारा कैबिनेट मंत्री के रूप में कृशि, कृशि षिक्षा, कृशि विपणन, पषुपालन, दुग्ध, मत्स्य, उद्यान एवं पलोद्योग, तकनीकी षिक्षा भाशा जैंसे महत्वपूर्ण विभागों के दायित्वों का सफल निर्वहन कर किया।

आपकी कार्यक्षमताओं को अच्छी तरह परख कर पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व ने आपको 2013 में राश्ट्रीय सचिव, एंव प्रभारी टेक्नोक्रेट सेल के अहम पदों की जिम्मेदारी दी, जो आपने बखूबी निभाई। आपको लोक सभा चुनाव 2014 में उत्तर प्रदेष में मा0 अमित षाह जी के साथ सहप्रभारी की अहम जिम्मेदारी दी गई, जिसमें आपने षत–प्रतिषत परिणाम दिया तथा उत्तर प्रदेष से लोक सभा में 73 प्रत्याक्षियों को जितवा कर भेजा।

– भाजपा राश्ट्रीय नेतृत्व ने आपको झारखण्ड चुनाव से ठीक पहले माह अक्टूबर 2014 को झारखण्ड के प्रभारी की अहम जिम्मेदारी दी तथा आपके नेतृत्व में झारखण्ड में पार्टी ने पहली बार पूर्ण बहुमत से सरकार बनाई। तब से अब तक आप झारखण्ड के प्रभारी के रूप में आपने दायित्वों का सफल निर्वहन कर रहे है।, यही नही केन्द्रीय नेतृत्व आपकी कार्य क्षमता को पहले ही परख लिया था जिसके फलस्वरूप पुनः आपको नमामि गंगे समिति के राश्ट्रीय संयोजक जैंसी एक अहम जिम्मेदारी से नवाजा गया।

– विधानसभा चुनाव 2017 में आप तीसरी बार डोईवाला विधानसभा क्षेत्र से आपने 24869 मतों से पुनः रिकार्ड विजयी प्राप्त की।